

प्रेषक,

पी0सी0शर्मा,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक, उद्योग
उद्योग निदेशालय
उत्तराखण्ड, देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 25 मार्च, 2009

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु केन्द्र पोषित "लघु उद्योगों की गणना" योजनान्तर्गत पुनर्विनियोग द्वारा धनराशि स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या:5196/उ0नि0(दो)-27/गणना योजना/2008-09 दिनांक 02-03-2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु केन्द्र पोषित "लघु उद्योगों की गणना" योजनान्तर्गत, आयोजनागत से आयोजनागत मद में 48-मँहगाई वेतन से 01-वेतन मद में संलग्न बी0एम0-15 के अनुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से व्यावर्तन द्वारा रू0 1.30 लाख (रू0 एक लाख तीस हजार मात्र) की धनराशि को व्यय करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निर्वतन पर इस आशय से रखी जा रही है कि धनराशि को आवश्यकतानुसार ही व्यय करना सुनिश्चित करें। अवचनबद्ध मदों में धनराशि को व्यय करते समय मितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जाय, तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जाय, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरान्त व्यय की गयी धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाय।

4- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक-2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 102-लघु उद्योग, 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना, 01-लघु उद्योगों की गणना योजना (100% के0स0), 01-वेतन मद के अन्तर्गत संलग्न बी0एम0-15 में उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाई के नामे डाला जायेगा।

5— यह आदेश वित्त विभाग के अ०शा० सं० 1414/XXVII(2)/2008, दिनांक 17 मार्च, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोक्त।

भवदीय,

(पी०सी०शर्मा)

प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 502(1)/VII-II-09/70-उद्योग/06 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी देहरादून।
5. अपर सचिव, वित्त/नियोजन उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 6. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(पी०सी०शर्मा)

प्रमुख सचिव।

वर्ष 2008-09 हेतु आयोजनागत से आयोजनागत मद में पुनर्विनियोग

अनुदान संख्या - 23

प्रशासनिक विभाग-आवृत्तिक विकास अनुभाग, उज्जैनखण्ड शासन।
नियंत्रक अभिकारी-निदेशक, उद्योग, उन्नयनखण्ड, देहरादून।

विवरण तथा लेखाशीर्षक का विवरण	मानक मदवार अवयवगतिक व्यय (रुपये)	वित्तीय वर्ष को शेष अवधि में अनुमानित व्यय (रुपये)	उद्देश्य धनराशि (रुपये)	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है तथा प्राविधान (रुपये)	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ 5 की कुल धनराशि (रुपये)	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ 7 में अवशेष धनराशि (रुपये)	अन्यविवरित
1	2	3	4	5	6	7	8
आयोजनागत				आयोजनागत			(क) आवश्यकता न होने के कारण। (ख) बजट प्राविधान न होने के कारण।
2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग				2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग			
00-आयोजनागत				00-आयोजनागत			
102-लघु उद्योग				102-लघु उद्योग			
01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोन्निधानित योजना-				01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोन्निधानित योजना-			
01-लघु उद्योगों की गणना योजना (100% केन्द्र)				01-लघु उद्योगों की गणना योजना (100% केन्द्र)			
48- महगाई देयता	250	110	140	01-वैतन मद-	130	630	120
योग-	250	110	140		130	630	120

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट में अनुत्तल को प्रस्तर 151-156 में उल्लिखित सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

सेवा में

महालेखाकार नियर स्टेट बैंक, इन्दानगर देहरादून।

संख्या 502/VII-II-09/70-उद्योग/06 दिनांक 25.3.2009

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1- निदेशक उद्योग उद्योग निदेशालय देहरादून।

2- वरिष्ठ कोषाधिकारी देहरादून।

3- वित्त अनुभाग-2

4- गार्ड फाइल।

संख्या 144/XXVII(2)/2008 दिनांक 17.3.2009

(दीपनसिंह)

अपर सचिव वित्त।

(पी.सी.शर्मा)

प्रमुख सचिव।

आज्ञा से

(पी.सी.शर्मा)

प्रमुख सचिव।